



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 387]

नई दिल्ली, इनिवार, अक्टूबर 24, 1970/कार्तिक 2, 1892

No. 387] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 24, 1970/KARTIKA 2, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE
ORDER

New Delhi, the 24th October 1970

S.O. 3495.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 3981, dated the 22nd December, 1965, the management of the industrial undertaking known as the Muir Mills Limited, Kanpur, had been taken over by the Authorised Controller for a period upto and inclusive of 21st December 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a period upto the 21st December 1971;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the order mentioned above, shall continue to have effect for a further period upto the 21st December 1971.

[No. F. 7/73/70-TEK(G).]

C. S. RAMACHANDRAN, Addl. Secy.

विदेशी व्यापार मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1970

का० आ० 3495.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 3981, दिनांक 22 विसम्बर, 1965, द्वारा म्यूर मिल्स लि० कानपुर नामक श्रीचोर्गिक उपकाम का

(1721)

प्रबन्ध प्राप्तिकृत क्रियन्वयक द्वारा 21 दिसम्बर, 1970 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, प्रहृण कर लिया गया था ;

और यह केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त प्राप्तिकृत नियन्त्रण के प्रयोग उक्त प्रौद्योगिक उत्कर्ष का प्रबन्ध 21 दिसम्बर, 1971 तक की प्रवधि के लिए बना रखना चाहिए ;

अतः अब, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-ए को उम-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा निर्देश देती है कि उपरिवर्णित भावेश का प्रभाव 21 दिसम्बर, 1971 तक की प्रवधि के लिए और बना रहेगा ।

[सं० फा० 7/73/70—टैक्स (जी)]

सौ० एस० रामचन्द्रन, अपर सचिव ।